सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्षः 11 • अंकः 310 पृष्ठः 8 • लखनऊ, गुरुवार 18 दिसम्बर, 2025

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।
-सम्राट अशोक

मूल्य ₹ 3/-

शुभमन चोटिल होकर टी20 सीरीज... 7
विपक्षी नेताओं का विदेशी भ्रमण... 3
बीजेपी सरकार ने शहर की हवा... 2

19 दिसम्बर : थ्रिल, सस्पेंस और हारर से भरपूर राजनीतिक दिन!

पीएम मोदी के इस्तीफे वाली खबर से दहली देश की राजनीति!

» राहुल गांधी विदेश में क्या कुछ पकाने गये हैं!
» संजय राउत का बयान तंज नहीं सरकार को खुली चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। क्या पीएम मोदी कल इस्तीफा दे देंगे? क्या 19 दिसम्बर को देश की राजनीति में कुछ बड़ा होने वाला है? क्या कल का सूरज देश की राजनीति को बेचैन कर देगा? इस तरह की राजनीतिक अटकलों भरी खबरें सच साबित होगी या फिर यह भी दिसम्बर की उस सर्द रात की तरह अफवाह होगी जब रात में लोग सोते समय पत्थर के बन रहे थे। क्योंकि सोशल मीडिया समेत तमाम राजनीतिक अड्डों पर अटकलों के बाजार को इन खबरों ने गर्म कर दिया है।

एक और सवाल जो देश की जनता को बेचैन कर रहा है कि क्या यह खबर प्लांट लोगों का असल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए प्लांट कि गया है? क्योंकि शिवसेना यूबीटी समेत कांग्रेस और सपा के बड़े नेताओं ने इस सबंध में सार्वजनिक प्लेटफार्म पर अपने बयान दर्ज कराये हैं। शिव सेना यूबीटी नेता संजय राउत ने तो बाकायादा प्रेस कांफ्रेंस कर कहा है कि देश किसी बड़े राजनीतिक विस्फोट होने के घंटे गिन रहा है।

विपक्षी अफवाह या रणनीतिक हमला?

इस बार खास बात यह है कि प्रधानमंत्री के इस्तीफे की चर्चा सिर्फ अज्ञात ट्विटर हैंडल्स तक सीमित नहीं रही। शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे दलों के नेताओं ने इसे सार्वजनिक मंचों पर उठाया है। संजय राउत का वह बयान जिसमें वे 19 दिसंबर के घंटे गिनने की बात करते हैं राजनीतिक तंज भर नहीं है बल्कि सत्ता को खुली चुनौती है। यह सवाल लाजमी है कि क्या विपक्ष के पास कोई ठोस जानकारी है? या फिर यह एक मनोवैज्ञानिक दबाव रणनीति है जिसका मकसद सरकार को रक्षात्मक मुद्रा में धकेलना है? भारतीय राजनीति में पहले भी देखा गया है कि जब विपक्ष को लगता है कि सत्ता किसी अंदरूनी उथल-पुथल से गुजर रही है तो वह अफवाह को हथियार बनाकर नैरेटिव युद्ध छेड़ देता है।

टेस्ट बैलून

अगर यह खबर अफवाह है तो सवाल यह है कि इसी वक्त क्यों? जब देश महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट, संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता और सामाजिक ध्रुवीकरण जैसे असल मुद्दों से जूझ रहा है तभी प्रधानमंत्री के इस्तीफे की चर्चा हवा में क्यों तैरने लगती है? राजनीतिक इतिहास गवाह है कि सत्ता जब असहज होती है तो या तो ध्यान भटकाया जाता है या फिर जन प्रतिक्रिया की नब्ज टटोली जाती है। अफवाहें कई बार महज शोर नहीं होतीं वह सत्ता की ओर से छोड़े गए टेस्ट बैलून भी होते हैं। यह देखने के लिए कि जनता जनार्दन और सहयोगी दल इस विषय पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। अक्सर नहीं ज्यादातर इस तरह के मुद्दों को हवा में उछालकर देश के प्रतिष्ठित लोगों की प्रतिक्रिया पर सरकारी नजर होती है।

अफवाहें नेतृत्व परिवर्तन की

भारत में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाएं नयी नहीं हैं। इंदिरा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक। हर मजबूत प्रधानमंत्री के दौर में किसी न किसी मोड़ पर अंत की भविष्यवाणियां की जा चुकी हैं। फर्क बस इतना है कि आज का दौर सोशल मीडिया का दौर है जहां अफवाहें मिनटों में आग बन जाती हैं। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि जब अफवाहें लगातार संगठित और राजनीतिक संरक्षण के साथ फैलाई जाती हैं तो वे अक्सर किसी आंतरिक संकट की ओर इशारा करती हैं चाहे वह गठबंधन की दरार हो उत्तराधिकार की लड़ाई हो या फिर नीति-निर्माण में फंसा हुआ शासन।

सरकारी चुप्पी सबसे बड़ा बयान

अगर यह सब महज झूठ है तो फिर सवाल उठता है कि सरकार की ओर से सख्त और स्पष्ट खंडन क्यों नहीं? इतिहास गवाह है कि मजबूत सत्ता अफवाहों को कुचलने में तनिक देर नहीं लगाती। लेकिन जब सत्ता चुप रहती है तो चुप्पी खुद एक बयान बन जाती है। क्या यह चुप्पी रणनीतिक है? क्या सरकार यह देखना चाहती है कि बाजार ब्यूरोक्रेसी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस विषय पर कैसे प्रतिक्रिया देता है? या फिर सच में कुछ ऐसा है जिसे वक्त से पहले नकारना मुमकिन नहीं है।

सत्ता, विपक्ष और लोकतंत्र तीनों को आईना दिखा दिया

सवाल यह नहीं कि 19 दिसंबर को सचमुच कोई इस्तीफा होगा या नहीं। असली सवाल यह है कि इस तारीख को इतना महत्व क्यों दिया जा रहा है? क्या यह संसद, संगठन या सत्ता संरचना से जुड़ा कोई निर्णायक मोड़ है? या फिर यह तारीख महज एक प्रतीक है उस बेचैनी की जो सत्ता के भीतर पनप रही है? क्योंकि नेतृत्व परिवर्तन से नाराज नेताओं की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है। पहले इक्का दुक्का नेता थे जो मोदी-शाह की जोड़ी से पार्टी के भीतर असहज महसूस करते थे। लेकिन जैसे जैसे समय आगे बड़ रहा है पार्टी के भीतर असंतोष पनप रहा है। फिलहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे को तथ्य के तौर पर पेश करना न संभव है न जिम्मेदाराना। लेकिन इस चर्चा को नजरअंदाज करना भी राजनीतिक अंधापन होगा। यह प्रकरण हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि भारतीय राजनीति किस मोड़ पर खड़ी है जहां अफवाहें भी राष्ट्रीय बहस की दिशा तय करने लगती हैं। 19 दिसंबर आएगा। सूरज उगेगा। इस्तीफा हो या न हो लेकिन एक बात तय है कि इस अफवाह ने सत्ता, विपक्ष और लोकतंत्र-तीनों को आईना दिखा दिया है। और शायद यही इस पूरी कहानी का सबसे बड़ा सच है।

बीजेपी सरकार ने शहर की हवा को बर्बाद कर दिया है: अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख- ये फॉग नहीं स्मॉग है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इकाना में मैच रद होने पर सपा मुखिया ने सरकार को घेरा है। इस मैच के रद्द होने पर जहां प्रशंसकों काफी मायूस दिखे वहीं अब इस पर सियासत भी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसके लिए स्मॉग को वजह बताया। बता दें राजधानी लखनऊ के इकाना स्टेडियम में भारत बनाम साउथ अफीका के बीच टी-20 का चौथा मुकाबला होना था लेकिन घने कोहरे और धुंध की वजह से इस रद्द करना पड़ा।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया कि इकाना स्टेडियम में होने वाले मुकाबले को कोहरे की वजह से नहीं बल्कि हवा में मौजूद प्रदूषण की वजह से रद्द करना पड़ा है। उन्होंने कहा बीजेपी सरकार ने यहां इंवेटबाजी करवाकर शहर की हवा को बर्बाद कर दिया है।

लखनऊ में मुकाबला रद्द होने पर अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि दिल्ली का प्रदूषण अब लखनऊ तक पहुँच गया है। इसीलिए लखनऊ में आयोजित होनेवाला इंटरनेशनल क्रि केट मैच नहीं हो पा रहा है। दरअसल इसकी वजह कोहरा या फ़ॉग नहीं, स्मॉग है।

भाजपाई न इंसान के सगे हैं न पर्यावरण के

हमने जो पार्क लखनऊ की शुद्ध हवा के लिए बनवाए थे, भाजपा सरकार वहाँ भी इंवेटबाजी करवाकर उन्हें बर्बाद करना चाहती है। भाजपाई न इंसान के सगे हैं, न पर्यावरण के। मुँह ढक लीजिए कि आप लखनऊ में हैं।

सदन में ये मुद्दा उठा सकती है सपा

लोकसभा में दिल्ली-एनसीआर में हवा में प्रदूषण को लेकर चर्चा होनी है। अखिलेश यादव की इस पोस्ट के बाद माना जा रहा है कि समाजवादी पार्टी एनसीआर के साथ यूपी के कई जिलों और राजधानी लखनऊ में भी प्रदूषण की समस्या को सदन में रख सकती है।

भाजपा के पूर्व सांसद के वोट कटने के बयान पर सपा प्रमुख बिफरे

सपा प्रमुख, पूर्व मुख्यमंत्री व कन्नौज सांसद अखिलेश यादव ने अपने फेसबुक अकाउंट पर पूर्व सांसद सुब्रत पाठक के वीडियो के साथ पोस्ट किया है। कहा कि कन्नौज के पूर्व भाजपाई सांसद का बयान बेहद आपत्तिजनक है। क्या वे जायज वोटों को कटवाने की सलाह दे रहे हैं। चुनाव आयोग को तत्काल संज्ञान लेना चाहिए। काले कारनामों का काला चश्मा लगाए ये महानुभाव बोलते समय भूल गए कि जो वे कह रहे हैं, वह उन्हीं के दल के भाजपाई मुख्यमंत्री के बयान से उलट है। कहा कि मुख्यमंत्री के संज्ञान में जैसे ही यह बात आएगी, वे इनकी क्लास लगा देंगे। और अगर उनसे बच गए तो दूर बैठे दूरबीन वाले इन्हें बुला लेंगे, क्योंकि दूरबीन के इस्तेमाल वाले डायलाग पर उनका एकाधिकार है। अब ये बेचारे भागे-भागे फिरेंगे कि किस-किस से बचें-चुनाव आयोग से, लखनऊ वालों से या दिल्ली वाले 'द्वितीय' से। भाजपा के पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने बुधवार को अपने फेसबुक अकाउंट एक वीडियो प्रसारित किया है। यह वीडियो करीब दो दिन पहले बिधूना में हुए कार्यक्रम का है। इसमें उन्होंने कहा कि एसआइआर अभियान पर यदि हम लोगों ने गंभीरता से ध्यान दिया, तो याद रखना समाजवादी पार्टी दूरबीन लेकर भी ढूंढने से नहीं मिलेगी। यह एसआइआर अभियान उसके ताबूत पर अंतिम कील साबित होने वाला है। हम लोग लखनऊ में समीक्षा कर रहे थे।

सरकार की तानाशाही बर्दाश्त नहीं करेंगे: राय

» नेशनल हेराल्ड मामले पर कांग्रेस ने किया जोरदार प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा के मुख्यालय की ओर कूच कर दिया। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। इस दौरान कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने सबको हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय ने कहा, पूरी तरह से तानाशाही है और पूरी तरह से दबाने का प्रयास किया जा रहा है। हम इस अन्याय और नाइंसाफी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

भाजपा सरकार सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करके हमारे नेताओं का अपमान कर रही है। अजय राय ने कहा, इतने दिनों से भाजपा सरकार ईडी का गलत इस्तेमाल कर रही थी। उसका नतीजा सामने आ गया है। न्यायालय ने इसे खारिज कर साबित कर दिया कि जो आरोप यह सरकार लगा रही थी, वह सब छवि धूमिल करने के लिए था। हमारे नेताओं की छवि पूरे देश-दुनिया के सामने बिल्कुल साफ होकर आई है। वह छवि पहले से स्थापित थी, अब उसे और भी ताकत मिली है।

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के निशाने पर आये संजय निषाद

» नीतीश कुमार के हिजाब हटाने के सपोर्ट में दिए बयान पर मंत्री ने दी सफाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मत्स्य पालन मंत्री संजय निषाद ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक कार्यक्र म में एक महिला का हिजाब खींचने का कथित रूप से बचाव करने को लेकर उठे विवाद के बाद सफाई पेश की है। हालांकि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मंत्री से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है।

कांग्रेस ने यह भी मांग की कि अगर उत्तर प्रदेश के मंत्री ने अपनी कथित तौर पर चौंकाने वाली टिप्पणी अगर कहीं और छू देते तो क्या हो जाता के लिए माफी नहीं मांगी तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसी बीच, समाजवादी पार्टी की एक पदाधिकारी ने मंत्री निषाद और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ लखनऊ पुलिस में मुकदमा दर्ज कराने के लिए शिकायत दी है। अपने बयान को लेकर उठे विवाद के बाद मंत्री निषाद ने बुधवार को सफाई देते हुए कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। उन्होंने कहा, मेरी टिप्पणी को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया, गलत समझा गया, शोर-शराबे और अनुवाद में उसका असली मतलब खो गया। भाषाई विविधता का जिक्र करते हुए, मंत्री ने कहा कि वह गोरखपुर और भोजपुरी भाषी क्षेत्र से आते हैं, जहां बोलने का तरीका और बातचीत का अंदाज़ क्षेत्र के हिसाब से अलग-अलग होता है।

सपा की प्रवक्ता सुमैया राना ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

समाजवादी पार्टी की प्रवक्ता सुमैया राना ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के खिलाफ लखनऊ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री का एक महिला का हिसाब खींचने का वीडियो क्लिप देखकर महिलाओं में बेहद नाराजगी है। सुमैया ने पीटीआई वीडियो से बात करते हुए कहा कि वह खुद भी हिजाब पहनती हैं। अगर उनके साथ ऐसा कुछ हुआ होता तो वह चुप नहीं बैठतीं। उन्होंने कहा कि शिकायत में इस मामले को लेकर उत्तर प्रदेश के मंत्री संजय निषाद की अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणियों का भी जिक्र है। सुमैया ने कहा कि उन्होंने कैसरबाग थाने में इसकी लिखित शिकायत देते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने पुलिस पर इस मामले में टालमटोल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि शुरू में उन्हें कैसरबाग से गौतमपल्ली थाने भेजा गया था जिसके बाद आखिरकार उनकी शिकायत स्वीकार की गई और पुलिस ने कहा कि जांच के बाद ही प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। सुमैया ने कहा कि पुलिस ने अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं किया है। उन्होंने आगाह किया कि अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करती है तो पार्टी इस मामले पर अपना आंदोलन और तेज करेगी।

पाक के साथ संबंधों का सामान्य होना फिलहाल असंभव: उमर

» सीएम बोले- बातचीत के लिए आवश्यक अनुकूल वातावरण नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मूकश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि संवाद ही एकमात्र रास्ता है, लेकिन बातचीत के लिए आवश्यक ''अनुकूल वातावरण'' स्पष्ट रूप से नजर नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह का माहौल बनाने की पूरी जिम्मेदारी पाकिस्तान की है। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने पहलगाम और दिल्ली में हुए हमलों समेत हालिया सुरक्षा उल्लंघनों का हवाला देते हुए कहा कि जमीनी हकीकत अभी भी शत्रुतापूर्ण है और भारत से ऐसे उकसावों को नजरअंदाज करने की उम्मीद नहीं की जा सकती।

उन्होंने कहा, ''जब तक दिल्ली (विस्फोट) जैसी घटनाएं होती रहेंगी, संबंधों के सामान्य होने की कल्पना करना मुश्किल है।'' उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट किया कि संबंधों को सामान्य करने की प्रगति से पहले पाकिस्तान को कई मोर्चों पर ठोस कार्रवाई करनी होगी। इस बीच, उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद को ''शक्तिविहीन'' पद बताया और कहा कि उन्हें देश के सबसे सशक्त राज्यों में से एक का नेतृत्व करने से एक ऐसे केंद्र शासित प्रदेश का नेतृत्व करने का ''दुर्भाग्य'' झेलना पड़ रहा है, जिसके पास ''अन्य किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री की तुलना में बहुत कम शक्तियां'' हैं। अब्दुल्ला ने मौजूदा प्रशासनिक व्यवस्था की कड़ी आलोचना की और उपराज्यपाल के लगातार हस्तक्षेप का आरोप लगाया।

नीतीश और महबूबा मुफ्ती की हरकतें अफसोसजनक

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक मुस्लिम महिला के चेहरे से हिजाब हटाने की घटना पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस कृत्य को अफसोसनाक बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के खिलाफ हैं। उमर अब्दुल्ला ने कहा, यहां चुनाव के दौरान भी महबूबा मुफ्ती ने एक महिला मतदाता का बुर्का उतरवाया था, वह भी अफसोसनाक था और यह भी उतना ही अफसोसनाक है। पहले नीतीश कुमार को एक धर्मनिरपेक्ष नेता के रूप में देखा जाता था, लेकिन इस घटना से उनकी असलियत सामने आ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी महिला की धार्मिक पहचान और व्यक्तिगत पसंद का सम्मान किया जाना चाहिए और ऐसे कृत्य समाज में गलत संदेश देते हैं।

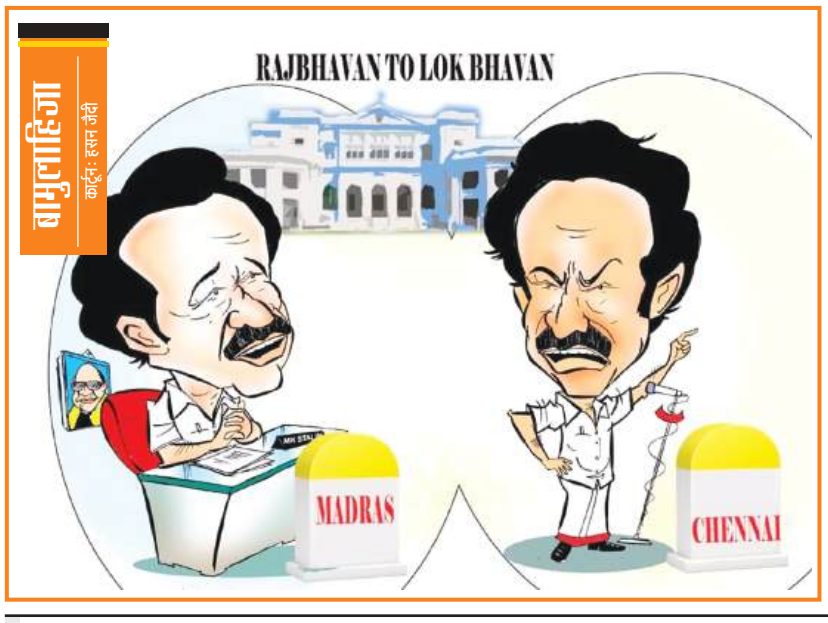

2047 के विजन के नाम पर आंकड़ों की बाजीगरी: सिंघार

» कांग्रेस ने सरकार पर किया हमला, सरकार से सात गारंटियों की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में विजन डॉक्यूमेंट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार 2047 के विजन के नाम पर केवल आंकड़ों की बाजीगरी कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर है।

सिंघार ने सवाल उठाया कि विजन डॉक्यूमेंट क्या सिर्फ भाषणों और प्रस्तुतियों तक सीमित है या इसके पीछे कोई ठोस रोडमैप भी है। उन्होंने कहा कि गुजरात में

वनतारा जैसे प्रोजेक्ट बन सकते हैं तो मध्य प्रदेश में क्यों नहीं? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल में प्रदेश को एशियाटिक लॉयन क्यों नहीं मिला और क्या इस पर सिर्फ गुजरात का एकाधिकार रहेगा? सिंघार ने बुधनी के पास टाइगर मौतों का जिक्र करते हुए कहा कि वन विभाग के पास इसे रोकने का कोई स्पष्ट विजन नहीं है। नेता प्रतिपक्ष ने मत्स्य पालन, सहकारिता चुनाव और सिंगरौली में अदाणी समूह से जुड़े मुद्दों पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सहकारी चुनाव नहीं हो रहे और सिंगरौली में हालात ऐसे हैं कि जनप्रतिनिधियों को भी प्रवेश नहीं दिया जा रहा। सिंघार ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस विकास के खिलाफ नहीं है, लेकिन सरकार सवालों से भाग रही है। उन्होंने कहा कि बंद कमरे में बने विजन डॉक्यूमेंट से जनता का भला नहीं होगा। अंत में उन्होंने वर्ष 2026 के लिए ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण, किसानों को खाद, रोजगार, डॉक्टरों के रिक्त पद शीघ्र भरें, हर घर तक नल से शुद्ध पेयजल, बेरोजगार युवाओं को रोजगार, लाडली बहनों को 3000 रुपये और गेहूं की 2700 रुपये समर्थन मूल्य जैसी गारंटियों की मांग की।

विपक्षी नेताओं का विदेशी भ्रमण देश में सियासत गरम

भाजपा-जदयू ने दोनों नेताओं को घेरा

राहुल व तेजस्वी के विदेश दौरे पर उठा सवाल

» बोला सत्ता पक्ष- दोनों हार से हताश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के दो बड़े नेता इस समय विदेश यात्रा पर हैं। वे विदेश भ्रमण पर हैं और उनके नाम पर देश में सियासी बयानबाजी चरम पर है। बता दें कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस समय जर्मनी के दौरे है जबकि बिहार विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी भारत से बाहर है। दोनों नेताओं को लेकर भाजपा व जदयू ने निशाना साधा है। एक को लापता बताया जा रहा है तो दूसरे को विदेश में भारत की बुराई करने जाने वाला बताया जा रहा है। बिहार में आरजेडी के विधायक और विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लंबे समय से यात्रा पर हैं। उनकी विधानसभा में गैरमौजूदगी को लेकर बीजेपी ने एक पोस्टर के जरिए उन पर तीखा व्यंग्य किया है।

आरजेडी के नेता और बिहार विधानसभा के विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव बिहार में नई सरकार के गठन के बाद से गायब हैं। वे नई विधानसभा के गठन के दौरान पहले सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण में तक नदारद रहे। तेजस्वी को पहले उनकी ही पार्टी राष्ट्री जनता दल (आरजेडी) के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी की आलोचना का सामना करना पड़ा था, अब बीजेपी ने उन पर जोरदार निशाना लगाया है। बीजेपी ने तोजस्वी का एक पोस्टर जारी कर दिया है। इस पोस्टर में तेजस्वी को लापता बताते हुए उनका मजाक उड़ाया गया है। हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) को केवल 25 सीटें मिलीं। एनडीए ने भारी बहुमत के साथ सरकार बनाई। बीजेपी का दावा है कि तेजस्वी यादव की चुप्पी और अनुपस्थिति चुनावी नतीजों से उनकी असहजता को दर्शाती है।

राहुल गांधी ने जर्मनी से फिर सरकार को घेरा

राहुल गांधी ने जर्मनी दौरे पर भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गिरती स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह देश की प्रगति की कुंजी है। बीएमडब्ल्यू कारखाने का दौरा करते हुए उन्होंने भारतीय निर्मित टीवीएस बाइक को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की, जो मेक इन इंडिया की क्षमता को दर्शाता है। यह बयान कांग्रेस की वैश्विक रणनीति और प्रवासी भारतीयों से जुड़ाव को भी रेखांकित करता है। बुधवार को जर्मनी दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत के गिरते विनिर्माण क्षेत्र पर चर्चा की और कहा कि अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए भारत को उत्पादन बढ़ाना होगा। कांग्रेस नेता आलोक शर्मा द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, गांधी बीएमडब्ल्यू कारखाने के अपने दौरे के बारे में बात करते हुए कहते हैं कि हम बीएमडब्ल्यू कारखाने गए थे - शानदार अनुभव रहा और मुझे यह देखकर विशेष रूप से खुशी हुई कि उनके पास 450 सीसी की बाइक, टीवीएस है, और मुझे लगता है कि यह अच्छा प्रदर्शन करेगी। यह देखकर अच्छा लगा कि यहां भारतीय ध्वज लहरा रहा है। वीडियो में गांधी ने आगे कहा, भारत को उत्पादन शुरू करने की जरूरत है। उत्पादन किसी भी देश की सफलता की कुंजी है। हमारा विनिर्माण क्षेत्र गिर रहा है; वास्तव में इसे बढ़ना चाहिए।

स्पीकर के चुनाव के बाद गए थे तेजस्वी

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव 18वीं बिहार विधानसभा के पहले सत्र के दूसरे दिन से ही सदन में नहीं पहुंचे हैं। यह सत्र एक दिसंबर से पांच दिसंबर तक चला था। उन्होंने पहले दिन शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था और दूसरे दिन स्पीकर के चुनाव में भी मौजूद थे। तीसरे दिन राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान वे मौजूद नहीं रहे। इसी के बाद वे दिल्ली चले गए थे। तेजस्वी की गैरमौजूदगी को लेकर बीजेपी उन पर लगातार हमले कर रही है। बीजेपी तेजस्वी यादव पर महत्वपूर्ण समय में जिम्मेदारी से भागने का आरोप लगा रही है। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद से तेजस्वी यादव ने मीडिया से काफी दूरी बना रखी है। आरजेडी को विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा था।

जदयू ने कहा- बिहार की जनता ने भगा दिया

वहीं जनता दल यूनाइटेड के मुख्य प्रवक्ता और एमएलसी नीरज कुमार ने कहा कि बिहार की जनता ने भी उन्हें राजनीतिक रूप से भगा दिया है। चुनाव में हार के बाद वह फरार हो गए। सदन में दो दिन आए इसके बाद दिल्ली जाने की बात कहकर विदेश चले गए। राजद को बताना चाहिए कि तेजस्वी यादव किस 'ग्रह' पर हैं? बता दें कि बिहार चुनाव के बाद तेजस्वी यादव विधानसभा सत्र के दौरान दिखे थे। दो दिन वह सदन आए। इसके बाद दिल्ली जाते वक्त पटना एयरपोर्ट पर दिखे थे। सूत्र बता रहे हैं कि 4 दिसंबर को तेजस्वी यादव अपनी पत्नी और बच्चे के साथ यूरोप घूमने गए हैं।

विदेश से लौटकर कम से कम बिहार के लिए कुछ सोचें : प्रेम रंजन पटेल

इस मामले पर भाजपा प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने कहा कि विपक्ष के नेता का दायित्व होता है कि वह राज्य की समस्याओं, चुनौतियों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से काम करे। लेकिन, बिहार की जनता यह देखकर हैरान है कि जब भी राज्य को मजबूत विपक्ष की जरूरत होती है, तेजस्वी यादव सैर-सपाटा और विदेश यात्राओं में व्यस्त दिखाई देते हैं। बिहार की जनता पूछ रही है कि क्या विपक्ष का नेता केवल विदेश यात्राओं के लिए है या उनके पास बिहार के भविष्य के लिए भी कोई योजना है?

उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव से अपेक्षा है कि वे विदेश से लौटकर कम से कम बिहार के लिए कुछ सोचें, जमीन पर उतरें और जनता को बताएं कि उनके पास राज्य के विकास के लिए कोई ठोस एजेंडा है भी या नहीं।

बीजेपी ने जारी किया तेजस्वी यादव के लापता होने का पोस्टर

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की बिहार इकाई ने बुधवार को आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव को निशाना बनाते हुए एक पोस्टर जारी कर दिया। यह पोस्टर कुछ वैसा ही है जैसा किसी लापता व्यक्ति को तलाशने के लिए जारी किया जाता है। पोस्टर में तेजस्वी यादव की पटना और बिहार विधानसभा से लंबी गैरमौजूदगी पर तंज कसा गया है।

पोस्टर सोशल मीडिया पर किया शेयर

यह पोस्टर बिहार बीजेपी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। पोस्टर में तेजस्वी यादव की तस्वीर है और उसके ऊपर लापता लिखा है। पोस्टर में तेजस्वी यादव की तस्वीर के साथ व्यंग्यात्मक कैप्शन लिखा गया है। तेजस्वी की तस्वीर के नीचे लिखा है, नाम- तेजस्वी यादव, पहचान- 9वीं फेल सबसे नीचे की पंक्ति में लिखा है- आखिरी बार कब देखा- मीडिया से मुंह छिपाकर भागते हुए। सूत्रों के अनुसार, तेजस्वी यादव दो दिसंबर की शाम को पटना से दिल्ली रवाना हुए थे। इसके बाद वे वापस नहीं लौटे हैं। पता चला है कि वे अपनी पत्नी और बच्चों के साथ यूरोप की यात्रा पर गए हैं। बताया जाता है कि वे विदेश में नए साल का जश्न मनाने के बाद ही पटना लौटेंगे।

भारतीय प्रवासी कांग्रेस ने किया जोरदार स्वागत

इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का जर्मनी के अपने पांच दिवसीय दौरे के दौरान बर्लिन हवाई अड्डे पर आगमन पर भारतीय प्रवासी कांग्रेस (आईओसी) द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वे आज होने वाले एक महत्वपूर्ण आईओसी कार्यक्रम में भाग लेने वाले हैं, जहां वे यूरोप भर के आईओसी नेताओं से मिलेंगे। उनके आगमन पर आईओसी टीमों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनका स्वागत किया और सभी के चेहरे पर

मुस्कान थी। यह कार्यक्रम कांग्रेस की वैश्विक पहुंच और गतिविधियों को मजबूत करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। आईओसी का कहना है कि राहुल भारतीय प्रवासी भारतीयों को संबोधित करने और यूरोप में पार्टी के विभिन्न अध्यक्षों से मिलने के लिए वहां आए हैं। वे अनिवासी भारतीयों से संबंधित मुद्दों और पार्टी की विचारधारा को और अधिक फैलाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के एक्स अकाउंट से एक पोस्ट में कहा गया है कि हमें राहुल गांधी का स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है, जो 17 दिसंबर को बर्लिन में भारतीय प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत करेंगे। इस कार्यक्रम में यूरोप भर से भारतीय प्रवासी कांग्रेस के सभी अध्यक्ष एक साथ आएंगे और राहुल गांधी के साथ प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेंगे, विशेष रूप से पार्टी को मजबूत करने, प्रवासी भारतीयों की चिंताओं और आईओसी किस प्रकार अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सरदार पटेल की बातों को चरितार्थ करें सियासी दल

राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद में एक किसान परिवार में 31 अक्टूबर 1875 को जन्मे थे, जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना।

विगत दिनों देश ने भारत के पहले गृहमंत्री व उपप्रधानमंत्री वल्लभ भाई पटेल को याद किया। वर्तमान देश की दोनों बड़ी पार्टियां कांग्रेस व भाजपा उन पर अपना अपना हक बताती रहती हैं। कांग्रेस के तो वो थे ही पर भाजपा उन पर दावा करती है। पर उसके दावे विपरित व सरदार पटेल के मंशा के अनुसार क्या राज्यों को तरजीह देती है। क्योंकि समय-समय पर कुछ राज्यसरकारे जहां पर केंद्र में शासन कर रही पार्टी से अलग दल की सरकार है वहां पर भेदभाव की खबरे आती हैं। जो पटेल की एकीकरण के सपने को तोड़ती नजर आती है। ऐसे दोनों सियासी दलों को चाहिए कि पटेल जी की सिर्फ बातें न हो बल्कि वों कार्यशैली में चरितार्थ हो। राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद में एक किसान परिवार में 31 अक्टूबर 1875 को जन्मे थे, जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना।

सरदार पटेल ने भारत को खण्ड-खण्ड करने की अंग्रेजों की साजिशों को नाकाम करते हुए बड़ी ही कुशलता से आजादी के बाद करीब 550 देशी रियासतों तथा रजवाड़ों का एकीकरण करते हुए अखण्ड भारत के निर्माण में सफलता हासिल की थी। राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए स्वतंत्र भारत को एकजुट करने का असाधारण कार्य बेहद कुशलता से सम्पन्न करने के लिए जाने जाते रहे सरदार पटेल का देहांत दिल का दौरा पड़ने के कारण 15 दिसम्बर 1950 को 75 वर्ष की आयु में हो गया था और इसी दिन को प्रतिवर्ष 'सरदार पटेल स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। देश के पहले गृहमंत्री और पहले उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा। सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधी जी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारियां जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं। उनके पिता ने बेटे की यह एकाग्रता और तन्मयता देखकर उन्हें जीवन में कुछ बड़ा कार्य करने का आशीर्वाद दिया था।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महान बनने के भ्रम में ओछी अमेरिकी हरकतें

क्षमा शर्मा

जब से ट्रंप अमेरिका में सत्ता में दोबारा आए हैं, वे हर दिन कोई न कोई ऐसी घोषणा करते रहते हैं, जिससे दुनिया में हड़कम्प मच जाता है। उनका कहना है कि वह अमेरिका को दोबारा महान बनाना चाहते हैं, इसलिए हर काम वह करेंगे, जिससे अमेरिका के लोगों को फायदा हो। अपने संसाधनों का फायदा वे उठा सकें। इसलिए वे तरह-तरह की घोषणाएं कर रहे हैं। उनका लेबर डिपार्टमेंट एक्स पर लिख रहा है कि अमेरिका में नौकरियां अमेरिकी लोगों के लिए ही होनी चाहिए। यों इसमें कुछ गलत भी नहीं है क्योंकि हर देश का नेता चाहता है कि उसके लोगों में बेरोजगारी घटे। लेकिन यह भी सच है कि अमेरिका ने जो तरक्की की है, धरती से लेकर अंतरिक्ष तक जो परचम लहराया है, इसमें बाहरी लोगों का बहुत बड़ा योगदान है। इनमें भारतीय सबसे अधिक हैं। थोड़े दिन पहले बिल गेट्स ने कहा था कि यदि हम भारतीय इंजीनियर्स को रोकेंगे, तो वे अपना गूगल बना लेंगे।

अन्य बड़े कार्पोरेट्स भी ऐसा ही कह रहे हैं। पिछले दिनों एक पूर्व गुप्तचर अधिकारी ने कहा कि भारतीय लोगों के साथ अमेरिका में बुरा व्यवहार किया जा रहा है, इसके लिए माफी मांगी जानी चाहिए। जिस सिलिकॉन वैली की दुहाई दी जाती है, उसे यहां तक पहुंचाने में हमारे देश के लोगों और प्रतिभाओं का भारी हाथ है। अमेरिका ने दुनियाभर में एक ताकतवर देश की छवि बनाई है। डालर के मुकाबले दुनियाभर की अधिकांश मुद्राएं कमजोर मानी जाती हैं। युवा समझते हैं कि वे अपने सपनों को अमेरिका जाकर ही पूरा कर सकते हैं। कुछ साल पहले एक खबर आई थी कि पूरे विश्व से दस करोड़ लोग अमेरिका जाना चाहते हैं। यह अफसोस की बात है कि युवा सिर्फ अमेरिका जाना चाहते हैं, लेकिन सच्चाई यही है। लेकिन उन बातों को क्या कहिए जो हर रोज अमेरिका में हो रही हैं। जिन्हें इन्हीं युवाओं को झेलना है। पिछले दिनों ही दो खबरें आईं कि अब अमेरिका ने एच वन और एच फोर वीजा के तमाम आवेदनों को रोक दिया है। बहुत से देशों के लोगों के आने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

उनका कहना है कि आवेदनकर्ताओं के पहले वे सोशल मीडिया अकाउंट्स चैक करेंगे, जिससे कि पता चल सके कि कोई अमेरिका विरोधी तो यहां नहीं आना चाहता। एच वन वीजा को वर्क वीजा कहा जाता है। इसी के आधार पर आप वहां काम कर सकते हैं। इसे पाना

युवाओं की सबसे बड़ी इच्छा होती है। इसके अलावा एच फोर वीजा पति या पत्नी के लिए होता है। इसके होने पर आप वहां काम नहीं कर सकते। इसे मौलिक अधिकार की तरह अब तक देखा जाता रहा है, लेकिन जैसे अब इस सोच के दिन लद गए हैं। यही नहीं, उन्होंने बारह देश के नागरिकों पर अमेरिका में आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ये देश हैं— अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, कांगो, गुएना, एरिट्रिया, हेती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान, यमन। इससे पहले भी बहुत से देशों पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि जिस भारत से मैत्री की कसमें ट्रंप लगातार खाते रहे हैं, उनके निशाने पर सबसे अधिक भारतीय ही हैं। ट्रंप को लड़ना आतंकवाद से था, लेकिन वे भारतीयों से लड़ रहे हैं। उनका मानना है कि बड़ी संख्या में यहां के लोगों ने अमेरिका के लोगों की नौकरियां छीन ली हैं। जबकि देखा जाए, तो वहां भारतीय कठिन परिस्थिति में काम करते हैं। उन्हें वेतन भी कम मिलता है। उन्हें छिपे हुए नस्लवाद का सामना भी करना पड़ता है। लेकिन अब यह नस्लवाद छिपा हुआ नहीं रहा। खुलेआम व्हाइट सुप्रीमेसी की बात की जा रही है। हालांकि, ट्रंप की जीत में ग्रामीण अमेरिका के गोरों के साथ-साथ, वहां के उन नागरिकों का भी हाथ रहा है, जिनकी जड़ें भारत में हैं। भारतीयों के बारे में वहां मशहूर रहा है कि ये लोग शांतिप्रिय होते हैं। अपने काम से काम रखते हैं। अपने काम को अच्छी तरह से करना जानते हैं। जबकि अमेरिका के लोगों के बारे में कहा जाता है कि वे न तो पढ़ना-लिखना चाहते हैं, न ही किसी विशेष योग्यता को प्राप्त करने में उनकी दिलचस्पी है। इसी कारण वहां अन्य देश के लोग काम करने जाते हैं। और वहां के बहुराष्ट्रीय निगमों तथा अन्य कम्पनियों को ऊंचाई पर पहुंचाते हैं।

लेकिन एच वन पर रोक लगाकर रास्तों को रोका जा रहा है। फ्लोरिडा के गवर्नर ने कहा कि एच वन बी जैसी एब्यूज (गाली) को बंद होना चाहिए। बहुत से अन्य रिपब्लिकन्स भी ऐसा ही कह रहे हैं। जब सरकार के बड़े पदों पर बैठे लोग खुलेआम किसी देश के लोगों पर निशाना साधने लगें, तो सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि लोगों का क्या होता होगा। अमेरिका में दिवाली पर सरकारों की तरफ से भारतीयों को बधाई दी जाती रही है। लेकिन इस बार दिवाली के आसपास वहां के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि वह चाहते हैं कि उनकी हिन्दू पत्नी उषा वेंस भी ईसाई विश्वासों को मानें और ईसाई धर्म अपना लें।

आईटी पेशेवर में गीता-ज्ञान जानने की ललक

आज की पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं, करियर के दबाव और संबंधों की जटिलताओं से जूझ रही है। गीता की शिक्षाएं जैसे कर्मयोग, ज्ञानयोग-भक्तियोग इन समस्याओं का समाधान प्रदान करती हैं। अभियान की प्रमुख विशेषता यह है कि यह डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का भरपूर उपयोग करता है।

विवेक शुक्ला

भारत में पिछले कुछ वर्षों में शिक्षित युवाओं, विशेष रूप से आईटी पेशेवरों में गीता की शिक्षाओं के प्रति रुचि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आईटी सेक्टर, जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ है, में काम करने वाले युवा लंबे कार्य घंटों, डेडलाइंस और वर्क-लाइफ बैलेंस की कमी से त्रस्त हैं। ऐसे में गीता की शिक्षाएं उन्हें तनावमुक्त करने में मदद करती हैं। दरअसल, विषम स्थितियों के चलते गीता की शिक्षाओं को जानने को लेकर दिचस्पी बढ़ती जा रही है। यही वजह है कि गीता परिचय अभियान की पहुंच बढ़ रही है। वर्तमान में ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से गीता ज्ञान से जुड़ी कक्षाएं चल रही हैं। दरअसल, गीता परिचय अभियान भारत में युवाओं को प्राचीन ज्ञान से जोड़ने का एक प्रयास है। जो यह दिखाता है कि गीता की शिक्षाएं आधुनिक जीवन की चुनौतियों से निपटने में कितनी प्रासंगिक हैं।

शिक्षित नौजवान और आईटी पेशेवर अपनी सांस्कृतिक विरासत को अपनाकर एक संतुलित जीवन जीना चाहते हैं। बहुत संभव है आने वाले वर्षों में गीता एक जीवनशैली बन सकती है। अभियान ने राजधानी दिल्ली में 'भगवद्गीता राष्ट्रीय सम्मेलन' की घोषणा की है, जो 21 दिसंबर को सिरिफोर्ट ऑडिटोरियम में होगा। देशभर से हजारों लोग भाग लेंगे। भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर भगवद्गीता, जो महाभारत के युद्धक्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए दिव्य उपदेशों का संकलन है, आज भी जीवन की हर चुनौती का समाधान प्रदान करती है। लेकिन आधुनिक युग में, जहां युवा पीढ़ी व्यस्तता, तनाव और भौतिक सुखों की दौड़ में फंसी हुई है, इस प्राचीन ग्रंथ की प्रासंगिकता को नए सिरे से समझाने की आवश्यकता महसूस की गई। तभी 'गीता परिचय अभियान' की शुरुआत हुई। यह अभियान न केवल गीता के ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है, बल्कि विशेष रूप से शिक्षित युवाओं, जिनमें आईटी पेशेवर भी शामिल हैं, को जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करता है।

इस अभियान के तहत ऑनलाइन क्लासेस, सेमिनार और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो युवाओं को गीता की शिक्षाओं से जोड़ते हैं। दरअसल, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भगवद्गीता के कालातीत ज्ञान को सरल और आधुनिक तरीके से लोगों तक पहुंचाना है। इस अभियान की शुरुआत उन लोगों द्वारा की गई जो मानते हैं कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन का एक व्यावहारिक मार्गदर्शक है। अभियान से जुड़े लोग इसे 'जीवन में ज्ञान, शांति और सकारात्मक बदलाव' की कुंजी मानते हैं। यह अभियान विशेष रूप से युवाओं को लक्षित करता है, क्योंकि आज की पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं, करियर के दबाव और संबंधों की जटिलताओं से जूझ रही है।

गीता की शिक्षाएं जैसे कर्मयोग, ज्ञानयोग-भक्तियोग इन समस्याओं का समाधान प्रदान करती हैं। अभियान की प्रमुख विशेषता यह है कि यह डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का भरपूर उपयोग करता है। 'गीता परिचय' नामक एक आधिकारिक ऐप उपलब्ध है, जो प्ले स्टोर या पस्टोर पर डाउनलोड किया जा सकता है। इस ऐप के माध्यम से उपयोगकर्ता ऑनलाइन और ऑफलाइन गीता क्लासेस में रजिस्टर कर सकते हैं। साप्ताहिक कक्षाएं जूम या अन्य प्लेटफॉर्म्स पर आयोजित होती हैं, जहां विशेषज्ञ आचार्य गीता के श्लोकों की व्याख्या करते हैं। इसके अलावा, अभियान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय है। उदाहरण के लिए, इंस्टाग्राम पर गीता परिचय अकाउंट पर नियमित रूप से गीता के उद्धरण, सेमिनार की जानकारी और युवाओं की सफलता की कहानियां साझा की जाती हैं। अभियान के तहत स्कूलों और कॉलेजों में भी कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

जयपुर के स्कूलों में हाल ही में गीता परिचय सत्र आयोजित किए गए, जहां बच्चों को गीता की वाणी से परिचित कराया गया। यह अभियान न केवल अध्ययन, बल्कि गीता की शिक्षाओं को दैनिक जीवन में लागू करने पर भी पर जोर देता है। इस अभियान की सफलता का एक प्रमुख स्तंभ इसकी ऑनलाइन क्लासेस हैं। ये क्लासेस वीकडे और वीकेंड पर आयोजित होती हैं, जो व्यस्त युवाओं के लिए सुविधाजनक हैं। क्लासेस में गीता के श्लोकों की सरल व्याख्या की जाती है और प्रतिभागियों को चर्चा का अवसर मिलता है। आईटी पेशेवरों जैसे लोगों के लिए, जो लंबे समय तक स्क्रीन पर काम करते हैं, ये क्लासेस एक ब्रेक की तरह काम करती हैं, जहां वे मानसिक शांति प्राप्त कर सकते हैं। अभियान के ऐप में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया सरल है, और क्लासेस न्यूनतम शुल्क पर उपलब्ध हैं। दरअसल, ये इंटरैक्टिव सेशन हैं। गीता आचार्य बताते हैं कि गीता को कैसे पढ़ें। कई युवा इन क्लासेस से जुड़कर अपने जीवन में बदलाव महसूस करते हैं। भारत में गीता के प्रति बढ़ती रुचि इस बात का संकेत है कि लोग भौतिक प्रगति के साथ-साथ आंतरिक शांति और अर्थपूर्ण जीवन की तलाश में हैं।

रक्त को करे शुद्ध

मूत्रविकार—जैसे जलन, बार-बार पेशाब आना, सूजन, शरीर में पानी की रुकावट, गुर्दों पर भार—इन सबमें मूली का रस मूत्रवह स्रोतस की शुद्धि में सहायता करता है। इसकी मूत्र बढ़ाने वाली प्रवृत्ति शरीर में अति-सोडियम, यूरिक एसिड और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक है। यही कारण है कि गठिया, जोड़ों के दर्द और यूरिक एसिड बढ़ने पर भी इसका नियंत्रित सेवन लाभदायक माना गया है। रक्त को शुद्ध करने की क्षमता होने के कारण त्वचा विकार—जैसे मुहाँसे, दाग, काले धब्बे, गर्मी के फोड़े, खुजली—में भी यह भीतर से सुधार लाता है। इसके अलावा मूली में ऐसे तत्व होते हैं जो शरीर में इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत कम होता है, इसलिए डायबिटीज़ के मरीज़ों के लिए यह एक बेहतरीन सब्ज़ी है।

पाचन रखे सही

कब्ज, गैस, भारीपन, अपच और एसिडिटी में मूली का रस पेट को शीतलता देते हुए आंतों की गतिशीलता सुधारता है। इसका क्षारत्व पेट की अम्लता को शांत कर भोजन के अपघटन को सहज बनाता है। पित्त की उत्तेजना, सीने में जलन और मुंह में कड़वाहट जैसी स्थितियों में यह स्वाभाविक राहत देता है। यकृत और पित्ताशय की सूजन, फैटी लिवर, पित्त की गाढ़ी प्रकृति तथा पित्त-रुकावट में मूली का रस पुराने आयुर्वेदिक ग्रंथों में लाभकारी कहा गया है, क्योंकि यह रसायन क्रिया को सुचारु कर पित्त-प्रवाह को सहज बनाता है। इसके अलावा मूली पोटेशियम का अच्छा स्रोत है, जो रक्त वाहिकाओं को आराम पहुंचाता है और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद करता है।

मूली का जूस

सेहत के लिए है काफी फायदेमंद

मूली सर्दियों के मौसम में खूब मिलती है। इसका सेवन लोग सबसे ज्यादा सलाद के रूप में करते हैं। साथ ही मूली का अचार, मूली के पराठे भी सर्दियों में खूब खाई जाती है। लेकिन यदि आप मूली का जूस का सेवन नहीं करते हैं तो जरूर थोड़ा सा पिएं, क्योंकि मूली खाने के साथ ही इसका जूस पीना भी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। मूली का जूस प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया ऐसा सरल किंतु अत्यंत प्रभावी पेय है, जिसे आयुर्वेद मूत्रविरेचनीय, पित्त-शामक, अग्नि-दीपक और रक्तशोधक गुणों वाला मानता है। इसका रस शरीर के भीतर जमे हुए कफ और विषाक्त पदार्थों को ढीला कर बाहर निकालने की क्षमता रखता है। जब यकृत पर भार बढ़ने लगता है, पाचन दुर्बल हो जाता है या शरीर में जलन, पित्त, अम्लता और भारीपन की प्रवृत्ति बढ़ जाती है, तब मूली का रस धीरे-धीरे वात-पित्त-कफ को संतुलित कर प्रणाली को पुनः सुचारु बनाता है।

जमे कफ से दे राहत

श्वसन तंत्र में जमे कफ को निकालने की शक्ति होने से यह पुराने जमाव, खांसी, गले की खराश और सांस की भारीपन जैसी स्थितियों में भी मदद करता है। आयुर्वेद मूली के रस को उन स्थितियों में विशेष उपयोगी मानता है जहां शरीर में गर्मी, रुकावट, सूजन और भारीपन का संयोग पाया जाता है। नियमित और नियंत्रित मात्रा में लिया गया यह सरल पेय शरीर के भीतर गहराई तक जाकर शोधन, शमन और संतुलन—तीनों कार्य करता है।

हंसना मना है

इतवार के दिन बैंक कर्मचारी की बीबी- उठो, जागो.. देखो मेरे मम्मी पापा आए हैं, आदमी उनको कहो लाइन में लगें, और आईडी साथ में रखें।

पैसे वाला आदमी-आज मेरे पास 14 कार, 18 दूकान, 4 बंगले हैं .. तुम्हारे पास क्या है? गरीब आदमी-मेरे पास 1 बेटा है जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

एक बार एक आदमी जंगल में जा रहा था। अचानक शेर देखकर सांस रोककर जमीन में लेट गया। ये देख कर शेर आया और उसके कान में बोला! सावन है बेटा, वरना सारी होशियारी निकाल देता।

साईकल वाले ने एक आदमी को टक्कर मार दी और बोला। साईकल वाला- आप बहुत लकी हो, आदमी-ओए, एक तो मुझे साईकल मारी और ऊपर से कह रहा है कि मैं लकी हूं, कैसे? साईकल वाला-आज मेरी छुट्टी है, नहीं तो मैं ट्रक चलाता हूं।

एक लड़का एक सुंदर लड़की को बड़ी देर से घूर रहा था.. लड़की (गुस्से में)- क्या देख रहे हो? लड़का (हड़बड़ी में)- देख रहा हूं कि अगर तुम मेरी अम्मा होती तो मैं भी सुन्दर होता..!

कहानी — ब्राह्मण, चोर और दानव

एक गांव में द्रोण नाम का गरीब ब्राह्मण रहता था। न उसके पास पहनने के लिए अच्छे कपड़े थे और न ही कुछ खाने को था। ब्राह्मण जैसे-तैसे भिक्षा मांगकर अपना गुजारा कर रहा था। उसकी गरीबी को देखकर एक यजमान को उस पर दया आ गई। उसने द्रोण को बैलों का एक जोड़ा दान में दे दिया। बैलों को गौधन मानकर ब्राह्मण उनकी सेवा पूरी लगन के साथ करने लगा। उसे बैलों से इतना प्रेम था कि वो खुद कम खाता था, लेकिन बैलों को भरपेट खिलाता था। एक दिन हटेकट्टे बैलों पर चोर की नजर पड़ गई। बैलों को देखते ही चोर ने मन-ही-मन बैलों को चुराने की योजना बना ली। योजना बनाने के बाद रात होते ही चोर ब्राह्मण के घर बैल चुराने के इरादे निकल गया। कुछ दूर चलते ही चोर का सामना एक भयानक राक्षस से हुआ। राक्षस ने चोर से पूछा, तुम इतनी रात को कहां जा रहे हो? चोर ने कहा, मैं ब्राह्मण के बैल चोरी करने जा रहा हूं। चोर की बात सुनकर राक्षस बोला, चलो मैं भी तुम्हारे साथ चलता हूं। मैं कई दिनों से भूखा हूं। मैं उस ब्राह्मण को खाकर अपनी भूख शांत करूंगा और तुम उसके बैल ले जाना। चोर के मन में हुआ कि रास्ते के लिए एक साथी भी हो जाएगा, तो इसे साथ ले जाने में कोई बुराई नहीं है। यह सोचकर चोर अपने साथ राक्षस को साथ लेकर ब्राह्मण के घर पहुंचा। ब्राह्मण के घर पहुंचकर राक्षस बोला, पहले मैं ब्राह्मण को खा लेता हूं, उसके बाद तुम बैल चुरा लेना। चोर ने कहा, नहीं, पहले मैं बैल चुराउंगा उसके बाद तुम ब्राह्मण को खाना। अगर तुम्हारे आक्रमण से ब्राह्मण जाग गया, तो मैं बैल चुरा नहीं पाऊंगा। फिर राक्षस बोला, जब तुम बैल खोलोगे, तो उसकी आवाज से भी ब्राह्मण जागकर अपनी रक्षा कर सकता है। मैं इस चक्कर में भूखा रह जाऊंगा। राक्षस और चोर दोनों इसी तरह बहस करते रहे। एक दूसरे कि बात मानने को उनमें से कोई तैयार नहीं था। उसी बीच राक्षस और चोर की आवाज सुनकर ब्राह्मण जाग गया। ब्राह्मण को जागा देखकर जल्दी से चोर बोला, हे! ब्राह्मण देखो यह राक्षस आपको खाने आया है, लेकिन मैंने इससे आपको बचा लिया। इसने कई बार आपको खाने की कोशिश भी की पर मैंने ऐसा होने नहीं दिया। चोर की बात सुनकर राक्षस ने भी तुरंत कहा, नहीं ब्राह्मण, मैं आपको खाने नहीं, बल्कि आपके बैलों की रक्षा करने के लिए यहां आया हूं। यह चोर आपके बैल चुराने आया था। दोनों की बात सुनकर ब्राह्मण को शक हुआ। खतरे को भांपते हुए ब्राह्मण ने फटाफट डंडा उठाया और दोनों को भगा दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है।

वृषभ

राजकीय सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। थकान रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद से बचें। नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है।

मिथुन

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। दिन प्रतिकूल रह सकता है। अधिक लोभ-लालच न करें।

कर्क

शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ अधिक होगी। थकान रहेगी। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। रुका पैसा प्राप्त होने के योग हैं।

सिंह

रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा। शत्रु परास्त होंगे।

कन्या

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। जोखिम न लें। आवास संबंधी समस्या रहेगी। रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा।

तुला

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए। श्रम अधिक करना होगा।

वृश्चिक

चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। आर्थिक समस्या रह सकती है। नए कामों में सफलता मिलेगी।

धनु

पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबरें मिलेंगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा।

मकर

योजना फलीभूत होगी। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी। कार्यसिद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। यात्रा में सावधानी रखें। आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं।

कुम्भ

राजकीय सहयोग मिलेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। अध्यात्म में रुचि रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा। तनाव रहेगा।

मीन

फालतू खर्च होगा। तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

बंजारे की तरह बीती जिंदगी, खूब करना पड़ा स्ट्रगल : दिव्यांशु शर्मा

दिव्येंदु शर्मा की इंडस्ट्री में जर्नी काफी पेशेंस और सेल्फ बिलीफ से भरी रही है। भले ही दिव्येंदु का सफर सालों का रहा, लेकिन इस दौरान उन्होंने मेहनत की और अपनी जगह बनाई। दिव्येंदु ने खुद की सक्सेस रातोरात बनते कभी नहीं देखी। पर स्लो चलना चुना। वरना काफी सारे एक्टर्स इंडस्ट्री में ऐसे भी हैं जो एक रात में सक्सेसफुल होना चाहते हैं। दिव्येंदु के करियर पर एक नजर डालें तो एक्टर का हमेशा से यही मानना रहा कि हर व्यक्ति को अपनी जगह बनाने में समय लगता है। वो सीखता है और हिम्मत के साथ बहुत सारी मुश्किलों का सामना करके अपनी जगह बना पाता है। दिव्येंदु, पहली बार स्पॉटलाइट में साल 2011 में आए थे। फिल्म का नाम था प्यार का पंचनामा। पर वेब सीरीज मिर्जापुर ने तो इनकी किस्मत ही पलट दी। बतौर एक्टर इनकी एक अलग ही छवि दर्शकों के बीच बनी। दिव्येंदु ने अपने स्ट्रगल के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि आखिर उनके जिंदगी में एक्टिंग को प्रोफेशन चुनना और बौतर एक्टर खुद को देखना कितना मुश्किल रहा। दिव्येंदु ने कहा- एक एक्टर को अपनी सक्सेस और फेलियर दोनों एक साथ देखने चाहिए। याद रखें कि ये सड़क बहुत लंबी है, जिसे आपको पार करना होगा। खुद के लिए एक विजन रखें, उसे अचीव भी करें, पर ये अचीव करना आसान नहीं होगा। लोग आपसे कहेंगे कि ऐसे करो, वैसे करो, लेकिन आप हमेशा सिर्फ एक चीज याद रना, वो ये कि ये जर्नी आपने चुनी है, सक्सेस और फेलियर इसका हिस्सा हैं और आप ही इन चीजों को अकेले फेस करने वाले हैं। कई दिन ऐसा भी होंगे, जब आप कमजोर महसूस करें, कुछ ऐसे होंगे जब आप खुश महसूस करेंगे।

मैं तो डाक्टर बनना चाहती थी, मुझे सूरज बड़जात्या जी ने फिल्मों में लाया : भाग्यश्री

साल 1989 में रिलीज हुई फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान के अपोजिट भाग्यश्री नजर आईं। इस फिल्म से वह रातों-रात स्टार बन गईं। लेकिन इसके बाद फिल्मी दुनिया में छा जाने के बजाय बॉलीवुड से दूरी बना ली। भाग्यश्री कहती हैं, 'मैं फिल्मों में आना ही नहीं चाहती थीं। मुझे डॉक्टर बनना था। फिर अचानक सूरज बड़जात्या जी मेरे पास फिल्म 'मैंने प्यार किया' का ऑफर लेकर आए। हमारे यहां फिल्मों में काम करना अच्छा नहीं समझा जाता था। ऐसे में मैंने सूरज बड़जात्या के सामने कई शर्तें रखीं। वह मेरी बातों को मानते हुए फिल्म की स्क्रिप्ट लिखकर लाए। उन्होंने मुझे फिल्म करने के लिए राजी कर लिया। इसके बाद 'मैंने प्यार किया' हिट हुई। कई फिल्मों के ऑफर आए लेकिन मैंने शादी कर ली और अपने फैमिली को ज्यादा इंपॉर्टेंस दी।' बता दें कि फिल्म 'मैंने प्यार किया' के सुपरहिट होने के बाद भाग्यश्री ने फिल्मों से दूरी बना ली थी। कुछ साल पहले ही उन्होंने फिल्मी दुनिया में वापसी की। वह फिल्म और एक टीवी सीरीज में नजर आ चुकी हैं।

जब भाग्यश्री फिल्मों से दूर थीं तो उन्होंने अपने परिवार और बच्चों की परवरिश पर ध्यान दिया। अपनी जिंदगी के खास पलों को जिया। साथ ही सोशल वर्क भी किया। भाग्यश्री कैंसर से ग्रस्त बच्चों के लिए काम करती हैं। वह कहती हैं, ' अच्छा काम ऐसा होना चाहिए कि एक हाथ से किया जाए तो दूसरे हाथ को पता ना चले। मैंने काफी समय से कैंसर से ग्रस्त बच्चों के लिए अवेयरनेस लाने का काम कर रही हैं, उनकी बीमारी को दूर करने में अपना योगदान देने की कोशिश करती हूं।'

भाग्यश्री अब अभिनय में सक्रिय हैं, तो क्या वह सिनेमा में कोई बदलाव महसूस करती हैं। इस पर वह कहती हैं, 'बहुत बदलाव नजर आता है। पहले इंस्पेक्टर के रोल बड़े पर्दे पर पुरुष एक्टर ही करते थे, अब यही किरदार महिलाएं भी करती हैं। यह बड़ी बात है।' भाग्यश्री का कहना है कि वह फिल्मों के अलावा वेब सीरीज जैसे एंटरटेनमेंट मीडियम में भी काम करना चाहती हैं। इसके अलावा उन्होंने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स यानी फिल्म 'राजा शिवाजी' के बारे में बताया। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज पर आधारित है। इसमें भाग्यश्री एक अहम किरदार निभा रही हैं। वह कहती हैं, 'मैंने महाराष्ट्र से हूं, छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे पूर्वज हैं, उनके जीवन पर आधारित फिल्म का हिस्सा बनकर खुश हूं।'

फिल्म दयावान में माधुरी दीक्षित संग इंटीमेट सीन करते हुए होश खो बैठे थे विनोद खन्ना

माधुरी दीक्षित ने अपनी एक्टिंग से खूब नाम कमाया है। उनकी फिल्मों को फैंस न काफी पसंद किया था। हालांकि, एक फिल्म की शूटिंग के वक्त माधुरी काफी अनकम्फर्टेबल हो गई थीं। 1988 में आई फिल्म दयावान में माधुरी को विनोद खन्ना के अपोजिट रोल में देखा गया था। इस फिल्म में माधुरी और विनोद खन्ना का इंटीमेट सीन था, जिसे करते हुए वो अनकम्फर्टेबल हो गई थीं।

अब हाल ही में दिए रेडियो नशा को इंटरव्यू में माधुरी ने इसे लेकर रिएक्ट किया है। माधुरी ने कहा, मुझे लगता था कि ये ग्रो होने का प्रोसेस है या फिर लर्निंग प्रोसेस है। आप हर एक चीज से सीखते हैं। मैंने भी उससे कुछ सीखा भी। इसके बाद मैं बहुत शर्मिंदा थी। मैंने तय किया कि ये वो काम नहीं है जो होना चाहिए। माधुरी ने इससे पहले ये बताया था कि फिल्म साइन करते वक्त उन्हें नहीं पता था कि ये सीन ऐसा होने वाला है। आज भी जब वो पीछे मुड़कर देखती हैं तो वो शॉक्ड रह जाती हैं।

बता दें कि कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में माधुरी और विनोद का सीन काफी इंटीमेट और बोल्ड था। इस सीन के दौरान विनोद अपने होश खो बैठे थे और हद पार कर गए थे। वो माधुरी को सीन कट होने के बाद भी किस करते रहे और उन्होंने माधुरी के होंठ को भी काट लिया था। इससे माधुरी शॉक्ड रह गई थीं और रोने लगी थीं। माधुरी ने उस सीन को हटाने की भी रिक्वेस्ट की थी फाइनल कट में। हालांकि, फिरोज खान ने फिल्म में वो सीन रखना ही चूज किया था। ऐसा भी कहा जाता है कि माधुरी को उस सीन की वजह से 1 करोड़ रुपये एक्स्ट्रा पे किए गए थे। बाद में विनोद खन्ना ने भी माधुरी से माफी मांगी थी। हालांकि, इस हादसे का माधुरी पर काफी गहरा असर पड़ा और उन्होंने कभी भी विनोद खन्ना के साथ दयावान के बाद काम नहीं किया।

अजब-गजब | ये है रामपुर का अजीब गांव...

इस गांव में नहाने से पहले ठंडा करना पड़ता है सरकारी नल का पानी, दूर-दूर से आते हैं लोग

रामपुर- उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले की तहसील शाहबाद का गांव रेवड़ी कलां इन दिनों अपने सरकारी नलों और हैंडपम्पों से निकलने वाले गर्म पानी को लेकर चर्चा में है। गांव के शिव मंदिर के पास लगे नलों से ऐसा पानी निकलता है, जो सामान्य पानी की तुलना में काफी अधिक गर्म होता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह कोई नई घटना नहीं है, बल्कि यह सिलसिला करीब 500 सालों से लगातार जारी है।

गांव में शिव मंदिर से लेकर चौराहे तक चार से पांच सरकारी नल लगे हुए हैं। इन सभी नलों से दिन-रात गर्म पानी ही निकलता है। गांव के पंडित रामपाल बताते हैं कि लोग इस पानी से नहाने से पहले इसे कुछ देर ठंडा होने देते हैं और फिर स्नान करते हैं। पंडित रामपाल के अनुसार, जब इस अनोखे गर्म पानी की चर्चा आसपास के क्षेत्रों में फैली तो रामपुर और संभल से कई टीमें जांच के लिए गांव पहुंचीं। अधिकारियों और विशेषज्ञों ने पानी की जांच भी की, लेकिन अब तक कोई ठोस कारण सामने नहीं आ सका। जांच के दौरान यह जरूर बताया गया कि इस पानी में करीब 60 प्रतिशत तक डीजल तेल जैसे तत्व महसूस होते हैं। वहीं, स्थानीय किसानों का कहना है कि यदि इस

नल के पानी को खेतों में फसल पर डाल दिया जाए, तो गर्म पानी की वजह से फसल झुलस जाती है। इसी कारण इस पानी का उपयोग खेती में नहीं किया जाता। गांव के लोग इस पानी का इस्तेमाल मुख्य रूप से स्नान के लिए ही करते हैं। पंडित रामपाल बताते हैं कि रोजाना करीब 100 से अधिक लोग यहां स्नान करने आते हैं। इनमें गांव के लोग ही नहीं, बल्कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु भी शामिल होते हैं। लोगों की इस पानी को लेकर गहरी आस्था है।

स्थानीय मान्यता है कि इस गर्म पानी से स्नान करने से कई प्रकार के रोगों और शरीर के दर्द में राहत मिलती है। पंडित रामपाल के अनुसार हरियाणा, मध्य प्रदेश, दिल्ली, मेरठ, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली सहित आसपास के कई जिलों से लोग यहां पहुंचते हैं। कुछ लोग इस चमत्कार को देखने आते हैं, तो कुछ श्रद्धा और इलाज की उम्मीद लेकर। खास बात यह है कि इतना गर्म होने के बावजूद यह पानी काफी साफ और पीने योग्य है।

दिल्ली अभी दूर है का अर्थ क्या है किसने पहली बार कहा था ये वाक्य?

भारत में कई ऐसी कहावतें और मुहावरे कहे जाते हैं जो सैकड़ों साल पुराने हैं मगर लोगों को उनका सही मतलब नहीं पता है। आज भी ये वाक्य इस्तेमाल किए जाते हैं, चलन में हैं, पर उसके पीछे की क्या कहानी है, उसे जानने की कोशिश कोई नहीं करता है। ऐसा ही एक वाक्य है, दिल्ली अभी दूर है। आपने अक्सर ये वाक्य घरों में इस्तेमाल होते सुना होगा। नेताओं और सेलिब्रिटीज को इंटरव्यू में कहते सुना होगा। पर क्या आपने कभी इस वाक्य का असली अर्थ जानने की कोशिश की? चलिए आज हम आपको बता देते हैं। दिल्ली अभी दूर है का अर्थ कि मंजिल अभी दूर है। अगर कोई किसी कार्य को करने का सोच रहा है मगर उस कार्य को अंजाम देने में वक्त है, तब ये कहा जाता है, कि दिल्ली अभी दूर है। पर दिल्ली ही शहर का इस्तेमाल क्यों किया जाता है? दरअसल, इसकी कहानी दिल्ली के ही एक सुल्तान से जुड़ी है जो तुगलक साम्राज्य के थे। सुल्तान का नाम था गयासुद्दीन तुगलक। हुआ यूं कि गयासुद्दीन तुगलक के एक दरबारी थे, अमीर खुसरो जो भारत के बेहद लोकप्रिय कवि और शायर माने जाते हैं। वो दिल्ली में रहने वाले हजरत निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे। तुगलक को खुसरो से बहुत लगाव था मगर वो निजामुद्दीन औलिया को पसंद नहीं करते थे। उन्हें लगता था कि उनकी लोकप्रियता ज्यादा है और उनके पास जो लोग बैठते हैं, वो बादशाह के खिलाफ साजिश रचते हैं। एक बार गयासुद्दीन तुगलक कहीं से दिल्ली लौट रहे थे जब उन्होंने खुसरो को संदेश भेजवाया कि जब तक वो दिल्ली पहुंचें, तब तक निजामुद्दीन औलिया दिल्ली से चले जाएं। नहीं तो वो उन्हें सबक सिखाएंगे। ये सुनकर खुसरो को दुख हुआ मगर फिर भी वो ये बात बताने अपने गुरु के पास पहुंचे। जब निजामुद्दीन औलिया ने ये बात सुनी तो कहा- 'हनोज दिल्ली दूर अस्त' यानी दिल्ली अभी दूर है। जब वो लौट रहे थे तो उनके रास्ते में एक मंडप बनाया गया जहां तुगलक की जीत का जश्न मनाना था। पर वो लकड़ी का बना मंडप गिर गया और उसके नीचे दबकर तुगलक की मौत हो गई। माना जाता है कि इसके पीछे उनके बड़े बेटे मुहम्मद बिन तुगलक की साजिश थी। इस तरह निजामुद्दीन औलिया की बात सच साबित हो गई और ये कहावत- दिल्ली अभी दूर है सैकड़ों साल बाद भी लोगों ने याद रखी।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र को और गति चाहिए

राहुल गांधी ने जर्मनी में मेक इन इंडिया पर दिया जोर

» नेता प्रतिपक्ष बोले- भारत को उत्पादन शुरू करने की जरूरत है, यह किसी भी देश की सफलता की कुंजी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बर्लिन। राहुल गांधी ने जर्मनी दौरे पर भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गिरती स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह देश की प्रगति की कुंजी है। बीएमडब्ल्यू कारखाने का दौरा करते हुए उन्होंने भारतीय निर्मित टीवीएस बाइक को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की, जो मेक इन इंडिया की क्षमता को दर्शाता है। यह बयान कांग्रेस की वैश्विक रणनीति और प्रवासी भारतीयों से जुड़ाव को भी रेखांकित करता है।जर्मनी दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत के गिरते विनिर्माण क्षेत्र पर चर्चा की और कहा कि अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए भारत को उत्पादन बढ़ाना होगा।

कांग्रेस नेता आलोक शर्मा द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, गांधी बीएमडब्ल्यू कारखाने के अपने दौरे के बारे में बात करते हुए कहते हैं कि हम बीएमडब्ल्यू कारखाने गए थे – शानदार अनुभव रहा – और मुझे यह देखकर विशेष रूप से खुशी हुई कि उनके पास 450 सीसी की बाइक, टीवीएस है, और मुझे लगता है कि यह अच्छा प्रदर्शन करेगी। यह देखकर अच्छा लगा कि यहां भारतीय ध्वज लहरा रहा है। गांधी ने कहा, भारत को उत्पादन शुरू करने की जरूरत है। उत्पादन किसी भी देश की सफलता की कुंजी है। हमारा विनिर्माण क्षेत्र गिर रहा है, वास्तव में इसे बढ़ना चाहिए। इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का जर्मनी के अपने पांच दिवसीय दौरे के दौरान बर्लिन हवाई अड्डे पर आगमन पर भारतीय प्रवासी कांग्रेस (आईओसी) द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वे आज होने वाले एक महत्वपूर्ण आईओसी कार्यक्रम में भाग लेने वाले हैं, जहां वे यूरोप भर के आईओसी नेताओं से मिलेंगे। उनके आगमन पर आईओसी टीमों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनका स्वागत किया और सभी के चेहरे पर मुस्कान थी। यह कार्यक्रम कांग्रेस की वैश्विक पहुंच और गतिविधियों को मजबूत करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। आईओसी का कहना है कि राहुल गांधी भारतीय प्रवासी भारतीयों को संबोधित करने और यूरोप में पार्टी के विभिन्न अध्यक्षों से मिलने के लिए वहां आए हैं। वे अनिवासी भारतीयों से संबंधित मुद्दों और पार्टी की विचारधारा को और अधिक फैलाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के एक्स अकाउंट से एक पोस्ट में कहा गया है कि हमें राहुल गांधी जी का स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है। इस कार्यक्रम में यूरोप भर से भारतीय प्रवासी कांग्रेस के सभी अध्यक्ष एक साथ आएंगे और राहुल गांधी के साथ प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेंगे, विशेष रूप से पार्टी को मजबूत करने, प्रवासी भारतीयों की चिंताओं और आईओसी किस प्रकार अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। बर्लिन हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भारतीय प्रवासी कांग्रेस (आईओसी) ने गांधीजी का गर्मजोशी से स्वागत किया। आईओसी की टीम ने उनका पुष्पांजलि अर्पित की और उनके आगमन पर सभी के चेहरे पर मुस्कान थी। इसी बीच, दिन में पहले, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत के गिरते विनिर्माण क्षेत्र पर चर्चा की और बताया कि अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए भारत को उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है।

प्रियंका ने भाई के जर्मनी यात्रा का किया बचाव

प्रियंका गांधी ने जर्मनी यात्रा का बचाव करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कार्य समय का आधा हिस्सा देश से बाहर बिताते हैं, तो विपक्ष के नेता की यात्रा पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं? जर्मनी यात्रा 20 दिसंबर, 2025 तक जारी रहने वाली है।

पीएम से कोई नहीं पूछता कि वह कहां घूम रहे हैं : इमरान मसूद

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की जर्मनी यात्रा को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच, पार्टी नेता इमरान मसूद ने उनका बचाव करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर कोई सवाल नहीं उठाता। मसूद ने कहा कि जॉर्डन के राजकुमार जैसे अंतरराष्ट्रीय नेताओं के साथ देखे जाने पर प्रधानमंत्री की प्रशंसा और महिमामंडन किया जाता है, जबकि राहुल गांधी को अपनी विदेश यात्राओं के लिए जांच और आलोचना का सामना करना पड़ता है। मसूद ने कहा कि कोई प्रधानमंत्री से नहीं पूछता कि वह कहां घूम रहे हैं? प्रधानमंत्री मोदी जॉर्डन के राजकुमार के साथ हैं और उनकी प्रशंसा की जा रही है, जबकि विपक्ष के नेता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। राहुल गांधी की पांच दिवसीय यात्रा की घोषणा संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान की गई थी, जिसके चलते भाजपा नेताओं ने व्यापक आलोचना की। उनका आरोप है कि उनकी बार-बार की यात्राएं भारतीय कांग्रेस के प्रति उनकी निष्ठा पर सवाल उठाती हैं।

शुभमन चोटिल होकर टी20 सीरीज से बाहर

» एशिया कप से वापसी करने वाले गिल ने अब तक 15 मैचों में बनाएं सिर्फ 291 रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही टी20 मैचों की सीरीज के चौथे मैच से पहले चोटिल होकर बाहर हो गए हैं। बताया गया है कि गिल के अंगूठे में चोट लगी है और वह सीरीज के बाकी बचे दोनों टी20 मैचों में नहीं खेल पाएंगे। गिल को इस फॉर्मेट में भारतीय टीम के उपकप्तान भी हैं। टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत में अब करीब डेढ़ महीना ही शेष है और ऐसे में गिल का चोटिल होना टीम मैनेजमेंट के लिए चिंता की बात है।

हालांकि वह टी20 फॉर्मेट में एशिया कप 2025 में हुई अपनी वापसी ही संघर्ष करते नजर आ रहे थे। इस सीरीज की 3 पारियों में 4, 0 और 28 कुल 32 रन ही बनाए थे। वह अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग बल्लेबाज की भूमिका में खेल रहे थे, जिसके चलते इनफॉर्म बल्लेबाज संजू सैमसन काफी समय से बेंच पर ही बैठे थे। गिल को प्रेक्टिस सेशन के दौरान यह चोट लगी है और उनकी तुरंत रिकवरी के लिए सभी एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं। गिल के चोटिल होने के बाद संजू को वापसी का मौका मिला है और उम्मीद की जा रही है वह इस मौके को हाथ से जाने नहीं देंगे। एशिया कप से शुभमन गिल की टी20 इंटरनेशल फॉर्मेट में वापसी हुई तो तब से वह एक भी हाफ सेंचुरी नहीं जड़ पाए हैं। गिल ने इस दौरान 15 मैच खेले हैं और इन सभी 15 पारियों में सिर्फ 291 रन ही बना पाए हैं। इस दौरान वह सिर्फ 2 ही बार 40 से ऊपर का स्कोर बना पाए हैं। हालांकि इस दौरान वह 3 बार नाबाद जरूर रहे हैं, जिसमें धर्मशाला में खेले गए पिछला मैच भी शामिल है, जिसमें वह 20 रन बनाकर नाबाद रहे थे। इन 15 मैचों में वह सिर्फ 3 छक्के ही जमा पाए हैं।

कोहरा बना चौथे टी20 मैच का विलेन, बिना टॉस के मैच रद्द

लखनऊ। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाने वाला चौथा टी20 मैच बुधवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में बिना टॉस के ही रद्द कर दिया गया। घने कोहरे के चलते दृश्यता बेहद खराब रही, जिससे खेल कराना संभव नहीं हो सका। भारत फिलहाल इस सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा है। आखिरी मुकाबला 19 दिसंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा, जिसमें जीत दर्ज कर सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम की नजरें सीरीज अपने नाम करने पर होंगी। मैच के रद्द होने के बाद एक बार फिर बीसीसीआई की टूर और फिक्सचर कमेटी सवालों के घेरे में आ गई है। खास तौर पर सर्दियों के मौसम में उत्तर और पूर्वी भारत में डे-नाइट मुकाबले कराने के फैसले पर आलोचना तेज हो गई है। लखनऊ में इस समय साल के दौरान दिन-रात मैच तय करना पहले से अनुमानित कोहरे की समस्या के कारण विवादों में आ गया है। स्टेडियम में कोहरा इतना घना था कि हवा में गेंद को ट्रैक करना फील्डरों के लिए खतरनाक माना गया। इसी वजह से टॉस को लगातार टालना पड़ा। अंपायर्स ने कुल छह बार मैदान का निरीक्षण किया लेकिन अंत में उन्होंने मैच रद्द करने का फैसला लिया।

राम के नाम पर कुछ भी करने की छूट नहीं मिल सकती : मनोज झा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी सांसद मनोज झा ने एमजीएनआरईजीए योजना का नाम बदलने के केंद्र सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि किसी के नाम में राम होने से उसे कुछ भी करने की छूट नहीं मिल जाती। उन्होंने कहा कि इससे भाजपा और एनडीए के लोग भी परेशान हैं।

उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत केंद्र और राज्य सरकारों का अनुपात 90-10 प्रतिशत था, जिसे बदलकर 60-40 प्रतिशत कर दिया गया है। आपने इसके अधिकार-आधारित दृष्टिकोण को पूरी तरह से नकार दिया है। एक ऐसी योजना जिसने देश को सुरक्षा कवच प्रदान किया-आप इस योजना को और मजबूत करने के बजाय इसकी आत्मा को ही नष्ट कर रहे हैं।

बैंक की जागरूकता से महिला के बच गए 1.14 करोड़ रुपए

» बैंक कर्मियों को जोनल हेड ने किया सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विकास नगर इलाके में पीएनबी बैंक की सूझबूझ ने महिला के 1.14 करोड़ रुपए बचा लिए। बैंक कर्मियों की सूझबूझ की तारीफ करते जोनल हेड मृत्युंजय ने सम्मानित किया। साथ ही विकासनगर थानाध्यक्ष से भी मुलाकात कर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। मृत्युंजय के साथ एजीएम मनीष जैन, वॉयस स्टेट मार्केटिंग हेड अवधेश वर्मा भी मौजूद रहे।

जोनल हेड ने बताया कि महिला साइबर ठगों द्वारा डिजिटल अरेस्ट की गई थी। बैंक कर्मियों के अनुभव और सजगता की वजह से महिला बड़ी ठगी से बच गई। उन्होंने कहा कि यह सब सिर्फ इसलिए संभव हो पाया है क्योंकि प्रबंध निदेशक अशोक चंद्रा ने इसको सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि ग्राहकों को पूरी सुरक्षा दी जाए। कर्मचारियों के अलर्टनेस की वजह से यह संभव हो सका है। पीएनबी में प्रबंध निदेशक अशोक चंद्रा ने विशेष ट्रेनिंग चलाने के आदेश दिए हैं। डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। हर मीटिंग में अशोक चंद्रा खुद पूरी जानकारी देते हैं। हमारी पूरी कोशिश है कि इस तरीके की धांधली ना हो सके। पीएनबी अलर्ट वन 2.0 भी चल रहा है। इस ऐप के तहत किसी भी तरह की ऑनलाइन फ्रॉड संभव नहीं है।

बंगाल के बारे में नकारात्मक बातें फैलाई जा रहीं

» ममता ने कर्ज के डर को खारिज किया, बोलीं- छोटे उद्यमों के प्रोत्साहन से होगी आर्थिक वृद्धि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि छोटे और मझोले उद्यमों को प्रोत्साहन देकर राज्य की आर्थिक वृद्धि होगी। उन्होंने साथ ही जोड़ा कि रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के चलते पश्चिम बंगाल पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत की वाणिज्यिक राजधानी के रूप में उभरा है। बनर्जी ने यहां कन्फेडरेशन ऑफ वेस्ट बंगाल ट्रेडर्स एसोसिएशन के एक कार्यक्रम में उन आरोपों को खारिज किया, जिनमें कहा जा रहा है कि राज्य का कर्ज लगभग सात लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

हालांकि, उन्होंने इस बात का खुलासा नहीं किया कि राज्य पर बकाया कर्ज कितना है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष के उस दावे का परोक्ष रूप से जवाब दिया, जिसमें बढ़ते कर्ज और राज्य से कारोबार के पलायन के चलते आर्थिक कमजोरी की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा, कुछ लोग केवल नकारात्मकता फैलाते हैं। वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आलोचकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि पश्चिम बंगाल वित्तीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) ढांचे के भीतर सख्ती से काम करता है, जबकि केंद्र सरकार की ओर से 1.97 लाख करोड़ रुपये के बड़े बकाये लंबित होने के बावजूद विकास कार्य जारी हैं। उन्होंने कहा, हमें सभी परियोजनाएं चलानी पड़ती हैं, भले ही केंद्र हमारी देनदारी का भुगतान न करे।

एमएसएमई और स्थानीय दुकानें अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों तथा पड़ोस की दुकानों की भूमिका पर जोर देते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि एमएसएमई और स्थानीय दुकानें अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और रोजगार सृजन की कुंजी हैं। उन्होंने कहा, छोटा ही सुंदर है। एमएसएमई अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाए रखते हैं...। नीतिगत समर्थन से बेरोजगारी कम करने और छोटे व्यापारियों को ऋण देने में मदद मिली है। आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का निर्यात 1.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है, जबकि पंजीकृत कंपनियों की संख्या 2.5 लाख से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल कृषि में आगे है और जूट से लेकर चावल तक विभिन्न फसलों के उत्पादन में अग्रणी बना हुआ है।

प्रदूषण के मुद्दे पर सड़क से संसद तक संग्राम

कांग्रेस, आप से लेकर सपा तक सरकार पर बरसी, प्रियंका ने संसद में चर्चा करने को कहा, केजरीवाल ने पीएम व नेता प्रतिपक्ष को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण के मुद्दे पर सड़क से लेकर संसद तक संग्राम मचा है। कांग्रेस, आप से लेकर सपा तक सरकार को घेर रही है। उधर आप नेता अरविंद केजरीवाल ने भाजपा-कांग्रेस को घेरा है। उन्होंने कहा- पीएम ओमान में, नेता विपक्ष जर्मनी में हैं। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- प्रधान मंत्री ओमान में, नेता विपक्ष जर्मनी में, देश की राजधानी प्रदूषण में तबाह हो रही है।

वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी इस मुद्दे पर संसद में चर्चा करने को कहा। कनिमोझी करुणानिधि और बंसुरी स्वराज दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिगड़ते वायु प्रदूषण और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त करेंगी। सदन की कार्यवाही पूर्व सांसदों दारूर पुल्लैया, प्रोफेसर महादेवराव शिवंकर, कुसुमा कृष्ण मूर्ति और शमनूर शिवशंकरप्पा के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शुरू हुई। इसके बाद, सदस्य चर्चा के लिए निर्धारित प्रश्न प्रस्तुत करेंगे और संबंधित मंत्री उनके उत्तर देंगे।

आज पूरा देश सांस लेने के लिए संघर्ष कर रहा : अशोक सिंह

राज्यसभा सांसद अशोक सिंह ने कहा कि आज पूरा देश सांस लेने के लिए संघर्ष कर रहा है। आज दिल्ली-एनसीआर में दम घुट रहा है। फेफड़े की गंभीर बीमारियां हो रही हैं। जहरीली हवा लोगों को तमाम बीमारियों से ग्रसित कर रही हैं। हालत ऐसे हैं कि कई देशों ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। सिर्फ दीवाली या पराली को दोष देने से काम नहीं चलेगा, इसपर सरकार को कड़े कदम उठाने होंगे। सरकार का लक्ष्य होना चाहिए कि हर देशवासी को साफ़ हवा मिले और इसके लिए एक कमेटी और साझा कमांड सेंटर बनाया जाए, जहां सभी राज्य मिलकर हवा को साफ करने के लिए काम करें। सरकार इसे नेशनल हेल्थ इमरजेंसी माने, वह इसको सीजनल समस्या की तरह ट्रीट न करे।

27 दिसंबर को कांग्रेस वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर करेगी चर्चा

कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक 27 दिसंबर को होने वाली है, जिसमें पार्टी सूत्रों के अनुसार वर्तमान राजनीतिक स्थिति का आकलन किया जाएगा। आज सुबह, कांग्रेस नेताओं और कई विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक एमएनआरईजीए का नाम बदलकर वीबी जी राम जी किए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया। सांसदों ने महात्मा गांधी का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे नारे वाले पोस्टर लेकर मार्च निकाला। विपक्षी सांसदों ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों का मुद्दा भी उठाया और संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। बुधवार को लोकसभा में विकसित भारत-ग्राम रोजगार और आजीविका मिशन संशोधन विधेयक पर लगभग 14 घंटे की बहस हुई। विपक्ष ने प्रस्तावित विधेयक को स्थायी समिति के पास भेजने की मांग की, वहीं सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधेयक का जोरदार बचाव करते हुए इसे 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। कई कांग्रेस सांसदों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमएनआरईजीए) के नाम परिवर्तन और इसके वित्तपोषण पैटर्न में बदलाव का कड़ा विरोध किया। इस बीच, 18वीं लोकसभा के छठे सत्र में कई विधायी, नीतिगत और समिति से संबंधित मामलों पर चर्चा हुई, जिसमें नियम 193 के तहत दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण पर विशेष ध्यान दिया गया।

जी राम जी पर चर्चा शुरू होते ही विपक्ष ने काटा बवाल, वेल में पहुंचे सांसद

संसद में जी राम जी बिल पर चर्चा की शुरुआत हो गई है। चर्चा के दौरान विपक्ष ने इस बिल को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं और इसे ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमिटी (जेपीसी) को भेजने की मांग की। कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि इतने अहम और व्यापक प्रभाव वाले बिल पर विस्तार से विचार होना चाहिए, इसलिए इसे ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमिटी को भेजा जाना जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पर्याप्त चर्चा के बिना बिल को पारित कराना चाहती है। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन को जानकारी दी कि एक दिन पहले हुई चर्चा के दौरान 98 सांसदों ने अपनी बात रखने के लिए समय बढ़ाने की मांग की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया है. इसके बावजूद विपक्ष लगातार और चर्चा की मांग करता रहा।

वीबी जी रामजी बिल राज्य सरकारों पर थोपा गया एक बोझ : स्टालिन

» केंद्र सरकार पर भड़के तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने गुरुवार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीए) में प्रस्तावित बदलावों को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने नई विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी जी आरएएम जी) को ग्रामीण गरीबों की आजीविका पर प्रहार करने वाली एक धोखाधड़ी बताया।

एक्स पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री स्टालिन ने भाजपा पर एकता को बढ़ावा देने का दावा करते हुए इस प्रमुख योजना को कमजोर करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री स्टालिन ने लिखा कि एकता का दावा करने वाली भाजपा गरीबों के पेट पर वार कर रही है; और थिरु पलानीस्वामी इसमें उनका साथ दे रहे हैं! वीबी जी आरएएम जीयोजना में 125 दिन का काम एक छल मात्र है! 100 दिन के काम की गारंटी देने वाला कानून होने के बावजूद, भाजपा शासन में लोगों को केवल 20 से 25 दिन का काम मिला। उन्होंने मासिक आधार पर मजदूरी और परियोजना खर्च जारी न करके लोगों को धोखा दिया। स्थिति इतनी दयनीय थी कि हमें बकाया राशि पाने के लिए भी संघर्ष करना पड़ा।

पलानीस्वामी का इन बदलावों का समर्थन करना अक्षम्य कृत्य

स्टालिन ने पलानीस्वामी द्वारा कथित तौर पर इन बदलावों का समर्थन करने को अक्षम्य कृत्य करार दिया और इसे एमजीएनआरईजीए द्वारा संरक्षित ग्रामीण महिलाओं और गरीब कृषि श्रमिकों के खिलाफ हरित राजद्रोह बताया। एक्स पर पोस्ट में आगे लिखा गया, ग्रामीण महिलाओं और गरीब कृषि श्रमिकों की आजीविका की रक्षा करने वाली एमजीएनआरईजीए योजना के समापन समारोह में थिरु पलानीस्वामी द्वारा स्वागत भाषण देना एक अक्षम्य हरित राजद्रोह है!

पोस्ट में आगे कहा गया है कि अब, नियमों में बदलाव के बाद, जिसमें कहा गया है कि अधिकारी केवल अपनी इच्छा से और केंद्र सरकार के विवेकाधिकार के तहत ही काम दे सकते हैं, एक या दो दिन का काम भी मिलना दुर्लभ हो गया है। तमिलनाडु को निधि आवंटन में भारी वित्तीय नुकसान होने वाला है। राज्यों को परियोजना लागत का 40त्न वहन करना होगा, यह शर्त जीएसटी कर परिवर्तनों के बाद गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रही राज्य सरकारों पर थोपा गया एक बोझ है यह एक दंड है!

उत्तर भारत में कोहरा बन रहा जानलेवा, लोग सतर्कता से चलें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर भारत में कोहरा बन रहा जानलेवा होता जा रहा है। अलग-अलग घटनाओं में अब तक 30 से ज्यादा लोग कोहरे की वजह से हादसे के शिकार हो गए हैं। मौसम विभाग अलर्ट जारी करते हुए नागरिकों को सतर्क ता बरतने के निर्देश दिए हैं। उधर कु हासे की वजह से ट्रेने व हवाई सेवाएं बाधित हो रही हैं।भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) ने गुरुवार को उत्तर भारत में घने धुंध की स्थिति को लेकर एडवाइजरी जारी की है।

एएआई ने यात्रियों को कम दृश्यता और कई हवाई अड्डों पर उड़ानों में संभावित देरी के लिए सावधान किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक मौसम चेतावनी में एएआई ने कहा, लगातार धुंध उत्तर भारत के कई हवाई अड्डों को प्रभावित कर रही है। इससे दृश्यता कम हो रही है और उड़ानों में संभावित देरी हो सकती है। प्राधिकरण ने यात्रियों को हवाई अड्डे जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति संबंधित एयरलाइन से जांचने और अतिरिक्त यात्रा समय लेने की सलाह दी।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा ज़िले में डिस्ट्रिक्ट रिज़र्व गार्ड के जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीन नक्सली मारे गए हैं, जबकि गोलीबारी में कई अन्य के घायल होने की आशंका है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उन्हें गोलापल्ली इलाके में बड़ी संख्या में नक्सलियों के होने की खास जानकारी मिली थी।

इसी जानकारी के आधार पर डीआरजी जवानों ने गोलापल्ली जंगल में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। 18 दिसंबर की सुबह, जब सुरक्षाकर्मी उस इलाके में पहुंचे, तो माओवादियों ने कथित तौर पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद दोनों तरफ से ज़बरदस्त गोलीबारी हुई।

उन्होंने बताया कि आज सुबह से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है और इस मुठभेड़ में अभी तक एक महिला माओवादी समेत तीन माओवादियों के मारे जाने की सूचना है। उन्होंने बताया कि अभियान पूरा होने के बाद इस संबंध में अधिक जानकारी दी जाएगी। इस कार्रवाई के साथ, इस साल अब तक छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में 284 नक्सली मारे जा चुके हैं।

अरावली की नयी परिभाषा उत्तर भारत के भविष्य के लिए खतरा : गहलोत

पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार और उच्चतम न्यायालय से बचाने की अपील की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने अरावली संरक्षण के पक्ष में 'सेवअरावली' अभियान का समर्थन करते हुए सोशल मीडिया पर अपनी 'प्रोफाइल पिक्चर' (डीपी) भी बदली है। उन्होंने कहा कि यह महज एक तस्वीर बदलना नहीं बल्कि उस नयी परिके खिलाफ एक सांकेतिक विरोध है, जिसके तहत 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को 'अरावली' मानने से इनकार किया जा रहा है।

गहलोत ने एक बयान में कहा कि अरावली के संरक्षण को लेकर आए इन बदलावों ने पूरे उत्तर भारत के भविष्य पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। उन्होंने जनता से भी अपील की है कि वे अपनी 'डीपी' बदलकर इस मुहिम का हिस्सा बनें। पूर्व मुख्यमंत्री ने अरावली की नयी परिको अस्तित्व के लिए खतरनाक बताते हुए तीन प्रमुख चिंताएं जाहिर की हैं। गहलोत ने कहा कि अरावली कोई मामूली पहाड़ नहीं बल्कि प्रकृति की बनाई हुई हरित दीवार है। यह थार के रेगिस्तान की रेत और गर्म हवाओं (लू) को दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के उपजाऊ मैदानों की ओर बढ़ने से रोकती है। उन्होंने कहा कि यदि छोटी पहाड़ियों को खनन के लिए खोल दिया गया, तो रेगिस्तान हमारे दरवाज़े तक आ जाएगा और तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि होगी।

एनसीआर के शहरों के लिए 'फेफड़ों' का काम करती हैं ये पहाड़ियां

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और आसपास के शहरों के लिए 'फेफड़ों' का काम करते हैं। ये धूल भरी आंधियों को रोकते हैं और प्रदूषण कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं। गहलोत ने चिंता जताई कि जब अरावली के रहते हुए स्थिति इतनी गंभीर है तो अरावली के बिना स्थिति कितनी वीभत्स होगी, इसकी कल्पना भी डरावनी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।